UNIVERSITY NEWS 02 NOVEMBER 2026

HINDUSTAN

एलयू में बताया गया कि क्यों जरूरी हैं लोक अदालतें

लखनऊ,प्रमुख संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय स्थित विधिक सहायता केंद्र की ओर से राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को विधिक सहायता एवं लोक अदालत : कानून और वंचित वर्गों के बीच की दूरी को कम करना विषय पर ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। गूगल मीट के माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

संवैधानिक महत्व समझाया

हर वर्ष 9 नवंबर को यह दिवस मनाया जाता है। वरुण छाछर ने संविधान के अनुच्छेद 14, 21 एवं 39A के माध्यम से समानता, जीवन के अधिकार तथा निःशुल्क विधिक सहायता के संवैधानिक महत्व को समझाया।

मुख्य वक्ता प्रो.(डॉ.)वरुण छाछर, विधि संकाय, लखनऊ विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विचार रखे।

HINDUSTAN

एलयू के खेल महोत्सव में प्रतिभाओं ने दिखाया हुनर

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में चार दिवसीय खेल महोत्सव 'आगाज़-2026' के तीसरे दिन बैडमिंटन, क्रिकेट और वॉलीबॉल में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। विभिन्न संकायों, विभागों और महाविद्यालयों की टीमों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

बैडमिंटन की महिला युगल स्पर्धा में एमबीए-एचआर की अंशिका सिंह और अनुष्ठा श्रीवास्तव विजेता रहीं, जबकि बीबीए-एलएलबी की शायनी एवं वैभवी वर्मा उपविजेता बनीं। महिला एकल में विधि संकाय की अनुजा श्वेत ने जीत हासिल की।

बेटियों ने किया धमाल

लखनऊ मंडल टीम ने झांसी में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रदेशीय सीनियर महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता में कांस्य जीतकर गौरव बढ़ाया। लखनऊ की खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूल डी के तीनों मुकाबले जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

AMAR UJALA

बैडमिंटन में दिव्यांशु ने जीते तीन खिताब

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में चल रहे चार दिवसीय खेल महोत्सव 'आरंभ-2026' के तीसरे दिन रविवार को बैडमिंटन, क्रिकेट और वॉलीबॉल के मुकाबले खेले गए। बैडमिंटन में दिव्यांशु यादव ने पुरुष एकल, मिश्रित युगल और पुरुष युगल के खिताब अपने नाम किए।

महिला युगल में अंशिका सिंह और अनुष्ठा श्रीवास्तव विजेता रहीं। उन्होंने शायनी व वैभवी वर्मा की जोड़ी को हराया। महिला एकल में अनुजा श्वेत ने प्रांजलि पांडेय को मात देकर खिताब जीता। पुरुष एकल में दिव्यांशु ने तेजस्वी सिंह को हराया। पुरुष युगल में दिव्यांशु और तेजस्वी की जोड़ी ने उत्सव सिंह और अमित कुमार को शिकस्त दी। मिश्रित युगल में दिव्यांशु व अंशिका ने हर्ष और अनुष्का को हराया।

क्रिकेट में इंजीनियरिंग संकाय की एआई वॉरियर्स ने बीबीए टूरिज्म की थंडर टाइटंस, विधि संकाय की अग्नि-11 ने बीफार्मा की लक्ष्य-11 को हराया। मैनेजमेंट की एमबीएच-11 ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी की डीडी-11 को पराजित किया। वॉलीबॉल में टीम विनायक ने वेदांत और टीम अतुल ने सिटी लॉ कॉलेज-बी को हराकर जीत दर्ज की। (संवाद)

AMAR UJALA

एआई से लें मदद, पुस्तकें भी जरूर पढ़ें : कुलपति



शहर की ऐतिहासिक धरोहरों का भ्रमण करते सम्मेलन में शामिल विशेषज्ञ। स्रोत: विवि

लखनऊ। लविवि में आयोजित तीन दिवसीय 14वें अंतरराष्ट्रीय लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन प्रोफेशनल समिट-2026 का रविवार को समापन हो गया। समिट के 16 सत्रों में 100 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने एआई के उचित उपयोग के साथ पुस्तक पढ़ने पर जोर दिया। कुलपति की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में देश-विदेश के शिक्षाविदों ने पुस्तकालयों की बदलती भूमिका पर विचार रखे। विशिष्ट अतिथि प्रो. वीटी कांबले ने भारतीय ज्ञान परंपरा को प्राचीन बताया, जबकि श्रीलंका की डॉ. नैनी गुरवर्धना ने दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों पर प्रकाश डाला। प्रतिभागियों ने लखनऊ की ऐतिहासिक धरोहरों और पारंपरिक खानपान का भी आनंद लिया। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT

प्रदूषित मिट्टी में भी लहलहाएंगी फसलें

LU में शोध, जिंक नैनोकणों से 99% तक घटा लेड

AI Image



■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ :लखनऊ विश्वविद्यालय (LU) के बॉटनी विभाग के शोधकर्ताओं ने फसलों को हैवी मेटल (भारी धातुओं) के दुष्प्रभावों से बचाने में बड़ी कामयाबी हासिल की है। विभाग के डॉ. अजेय सिंह के निर्देशन में हुए अध्ययन के अनुसार, हरित विधि से तैयार 'जिंक ऑक्साइड नैनोकणों' और 'जिबरेलिक अम्ल' के संयुक्त प्रयोग से प्रदूषित मिट्टी में भी पौधों की वृद्धि और सहनशीलता बढ़ाई जा सकती है।

शोध में देखा गया कि सीसे (लेड) की विषाक्तता से ग्वार के पौधों की लंबाई, बायोमास और पोषण पर बुरा असर पड़ता है और कोशिकाएं क्षतिग्रस्त होती हैं। वहीं, नैनोकणों और जिबरेलिक अम्ल के मिले-जुले उपचार से पौधों की रक्षा प्रणाली सुधरी और वृद्धि तेज हुई। सबसे अहम बात यह रही कि इस तकनीक से पौधों की जड़ों में सीसे की मात्रा करीब 71 प्रतिशत और तनों में 99 प्रतिशत तक कम दर्ज की गई, जिससे भारी धातुओं के तनाव से निपटने की नई राह खुली है। यह शोध स्प्रिंगर नेचर के जर्नल ऑफ क्रॉप हेल्थ में प्रकाशित हुआ है।

शहरीकरण के प्रभाव से बचेगी फसल

: शहरीकरण के प्रभाव के कारण हैवी व बिल्डिंगों का निर्माण खेती के आस पास हो रहा है। ऐसे में फसलों में हैवी मेटल का प्रभाव बढ़ गया है। देखा गया है कि हाईवे और उसके आसपास के खेतों की मिट्टी में हैवी मेटल पर फसलों पर उसका प्रभाव अधिक मिल रहा है। इस विधि से अब शहरों के आस पास की खराब हो रही फसलों को बचाने में सहायता मिल सकती है। साथ ही प्रदूषित मिट्टी में भी खेती की संभावनाएं पैदा की जा सकती है। इससे जिन जगहों पर खेती नहीं हो रही है वहां भी खेती हो सकती है।

पर्यावरण अनुकूल है नैनोकण

शोध मे जिंक ऑक्साइड नैनोकणो को भी हरित विधि से तैयार किया गया है। Christella parasitica नामक पौधे की पत्तियों के अर्क की मदद से इसे तैयार किया गया। इसमें जिंक ऑक्साइड नैनोकणो के साथ जिबरेलिक अम्ल का इस्तेमाल किया गया। इसमे किसी तरह के केमिकल का उपयोग भी नही किया गया है। जो फसलो के लिए सुरक्षित है।

TIMES OF INDIA

3 B'deshis in LU meritorious students panel

Lucknow: Lucknow University has included three students from Bangladesh in its Meritorious Students Council for the 2026-27 academic session, giving international students representation in the university's student body.

The three representatives are MD Arifur Rahman, pursuing BTech at the new campus, Debojit Roy Nibir, pursuing BA under National Education Policy at the old campus, and Jack Ha Jong, pursuing MA in Journalism and Mass Communication at the old campus.

Their inclusion is expected to provide foreign students with a platform to share their concerns, participate in academic discussions and contribute to student-related activities. TNN

AMRIT VICHAR

एल्युमनाई ने जूनियर्स को दिए सफलता के टिप्स



जीवनसाथी को चयन देते एनसीसी कैडेट्स।

लखनऊ, अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय की 64 यूपी बटालियन एनसीसी इकाई ने दीपावली के अवसर पर वस्त्र वितरण अभियान का आयोजन किया। कैडेट्स ने स्थानीय मलिन बस्ती में जाकर जरूरतमंद परिवारों और बच्चों को वस्त्र एवं उपहार वितरित किए। पूर्व कैडेट्स ने न केवल दान अभियान में बढ़-चढ़कर योगदान दिया, बल्कि नए कैडेट्स के साथ मिलकर त्योहार की खुशियां साझा कीं। लेफ्टिनेंट रजनीश कुमार यादव ने कैडेट्स एवं पूर्व छात्रों के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि दीपावली का वास्तविक अर्थ दूसरों के जीवन में प्रकाश और मुस्कान लाना है।

एनसीसी कैडेट्स ने बांटे वस्त्र

AMRIT VICHAR

- श्रीजयनारायण मिश्र पीजी कॉलेज में दिव्यांगकुर सृजन और युवा शक्ति संगम का उद्घाटन लविवि के कुलपति प्रो. जेपी सैनी करेंगे - 9:30 बजे।
- लखनऊ विश्वविद्यालय के नए परिसर में खेल महोत्सव का आरंभ-9:00 बजे।

विद्यार्थियों को बताए कॅरियर के अवसर

लखनऊ। एलयू के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय के पूर्व छात्र इंजी. अनूप मिश्रा ने वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी एनवीडिया में एएसआईसी फिजिकल डिजाइन इंजीनियर के रूप में नई जिम्मेदारी संभाली है। इससे पहले वह क्वालकॉम में कार्य कर चुके हैं।

उन्होंने कनिष्ठ अभियांत्रिकी विद्यार्थियों के लिए विशेष ऑनलाइन मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें विद्यार्थियों को वीएलएसआई क्षेत्र में करियर बनाने और प्रमुख अर्धचालक कंपनियों में अवसर प्राप्त करने के बारे में जानकारी दी। जानकारी के अनुसार कार्यक्रम में उन्होंने अर्धचालक उद्योग में रोजगार की बढ़ती संभावनाओं पर विचार रखे।

एनसीसी ने बांटे वस्त्र एवं उपहार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की 64 यूपी बटालियन एनसीसी इकाई द्वारा सामाजिक सेवा एवं सामुदायिक विकास गतिविधियों के अंतर्गत मलिन बस्ती में वस्त्र वितरण अभियान आयोजित किया। कार्यक्रम एएनओ लेफ्टिनेंट (डॉ.) रजनीश कुमार यादव के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

अभियान के तहत एनसीसी कैडेट्स ने जरूरतमंद परिवारों एवं बच्चों को वस्त्र और उपहार वितरित कर दीपावली की खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम में बटालियन के पूर्व पास आउट कैडेट्स ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी की।

शोध: ग्वार को सीसा प्रदूषण से बचाने की नई राह

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के शोधकर्ताओं ने ग्वार की फसल में सीसा विषाक्तता के दुष्प्रभावों को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण शोध किया है। यह शोध सहायक आचार्य डॉ.अजेय सिंह के निर्देशन में पादप शरीर क्रिया विज्ञान एवं पर्यावरणीय जीवविज्ञान प्रयोगशाला में किया गया। इसमें प्रो.प्रदीप कुमार के नेतृत्व वाली अनुप्रयुक्त सूक्ष्मजीव विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला ने भी सहयोग किया।

यूपी मास्टर्स एथलेटिक्स में एलयू को 12 पदक

लखनऊ। 34वीं उत्तर प्रदेश मास्टर्स एथलेटिक्स मीट 2026-27 में लखनऊ विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के चार शिक्षकों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 12 पदक जीतकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों के बीच एलयू के शिक्षकों ने अलग-अलग स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

एलयू में लाइब्रेरी समिट का समापन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय 14वें अंतरराष्ट्रीय लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन प्रोफेशनल समिट-2026 का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। समापन दिवस की शुरुआत प्रातःकालीन चाय पर अनौपचारिक चर्चा से हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने सम्मेलन के विभिन्न सत्रों के अनुभव और विचार साझा किए। इसके पश्चात सम्मेलन में शामिल प्रतिभागियों ने लखनऊ की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों का भ्रमण किया।

AMAR UJALA

ग्वार को लेड के जहर से बचाएगी नैनो तकनीक

शोध में पौधों के तनों में 99 व जड़ों में 71 फीसदी तक घटा सीसे का जमाव

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने ग्वार की फसल को सीसा (लेड) के जहरीले प्रभाव से बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है।

वनस्पति विज्ञान विभाग के शोध में हरित विधि से तैयार जिंक ऑक्साइड नैनोकणों और जिबरेलिक अम्ल के संयुक्त प्रयोग से पौधों में सीसे का जमाव जड़ों में 71 और तनों में 99 प्रतिशत तक किया।



डॉ. अजेय सिंह

यह शोध विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अजेय सिंह के निर्देशन में किया गया। इसमें प्रयोगशाला के शोधकर्ता प्रो. प्रदीप कुमार की टीम का भी सहयोग रहा। अध्ययन में पाया गया कि सीसे के संपर्क में आने से ग्वार के पौधों की वृद्धि, जैवभार, प्रकाश संश्लेषण और पोषक तत्वों का अवशोषण प्रभावित होता है। वहीं, दोनों का संयुक्त प्रयोग करने से पौधों की जड़ों और तनों की वृद्धि तथा एंटीऑक्सिडेंट रक्षा प्रणाली में सुधार हुआ।

जिंक ऑक्साइड नैनो कणों और जिबरेलिक अम्ल का संयुक्त प्रयोग कारगर

शोध में जिंक ऑक्साइड नैनोकणों को पौधे की पत्तियों के अर्क से पर्यावरण अनुकूल विधि के जरिये तैयार किया गया। डॉ. अजेय सिंह के अनुसार, यह तकनीक भारी धातुओं से प्रदूषित मिट्टी में फसलों की सहनशीलता बढ़ाने में उपयोगी हो सकती है।

उन्होंने कहा कि कृषि में इस्तेमाल से पहले खेतों में परीक्षण और पर्यावरणीय सुरक्षा का आकलन जरूरी है। शोध में दीपाली चंद्रा, अमतुल्लाह अफ्फाफ, पृथ्वी राज सिंह, राजनंदिनी वर्मा, डॉ. निहारिका और प्रो. रत्ना कटियार का भी योगदान रहा।

AMAR UJALA

पढ़ाई के साथ कारोबार की उड़ान



लखनऊ विश्वविद्यालय में फाइन आर्ट्स की छात्रा खुशी वर्मा ने करीब डेढ़ साल पहले ऑनलाइन बिजनेस शुरू किया। वह क्रोशिया से फैशन, होम डेकोर और कस्टमाइज्ड उत्पाद तैयार कर ऑनलाइन बेचती हैं। कम समय में ही उनके उत्पादों को लोगों की पसंद मिली। इस काम में उन्हें माता-पिता का भी सहयोग मिल रहा है। खास बात यह है कि खुशी ने क्रोशिया का हुनर भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से ही सीखा और अब उसी के जरिये कारोबार कर रही हैं। इससे वह अपने खर्चों के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहतीं। भविष्य में कारोबार का विस्तार करने के साथ ही वह दूसरी महिलाओं को भी इससे जोड़ना चाहती हैं।

AMAR UJALA

कुशेंद्र, विवेक और गुणवंती की जीत

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय 34वीं उत्तर प्रदेश मास्टर एथलेटिक चैंपियनशिप का रविवार को समापन हुआ। अंतिम दिन 30 से अधिक आयुवर्ग के 800 मीटर दौड़ में कुशेंद्र को सफलता मिली। 35 से अधिक आयुवर्ग के 800 मीटर दौड़ में विवेक कुमार ने बाजी मारी। गुणवंती को 400 मीटर में सफलता मिली। चैंपियनशिप में कई खेल स्पर्धाओं में 35 से 75 वर्ष तक के महिला और पुरुष खिलाड़ियों ने अलग-अलग आयु वर्गों में हिस्सा लिया। यूपी मास्टर्स एथलेटिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष बाबादीन ने खिलाड़ियों और अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर मोतीलाल, राम कुमार मिश्रा, शिवा सिंह चौहान, सत्येंद्र सिंह, सुशील कुमार, राकेश वर्मा और पीके भट्टाचार्य आदि मौजूद रहे। (संवाद)

AMAR UJALA

विद्यार्थियों को दी ऑनलाइन मेंटरशिप

लखनऊ। लविवि के इंजीनियरिंग विद्यार्थियों के लिए रविवार को मेंटरशिप वेबिनार आयोजित किया गया। वेबिनार में लविवि के इंजीनियरिंग संकाय के पूर्व छात्र इंजी. अनूप मिश्रा ने वीएलएसआई और सेमीकंडक्टर उद्योग में कॅरिअर की संभावनाओं, तकनीकी साक्षात्कार की तैयारी और जरूरी कौशल की जानकारी दी। इसके बाद विद्यार्थियों के सवालों के जवाब भी दिए। अनूप मिश्रा वर्तमान में एनवीडिया के साथ जुड़े हैं। समन्वयक डॉ. मनोज कुमार जैन, कुलपति प्रो. जेपी सैनी, इंजीनियरिंग संकाय के डीन प्रो. एसपी सिंह ने वेबिनार को विद्यार्थियों के लिए मददगार बताया। (माई सिटी रिपोर्टर)

UNIVERSITY NEWS 02 NOVEMBER 2026

AMRIT VICHAR

आगाज में अनुजा और दिव्यांशु ने जीते बैडमिंटन के खिताब

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय आयोजित खेल महोत्सव आगाज में बैडमिंटन में महिला एकल वर्ग का खिताब विधि संकाय की अनुजा श्वेत और पुरुष वर्ग का दिव्यांशु यादव ने जीता। मिश्रित युगल में दिव्यांशु यादव व अंशिका सिंह की जोड़ी विजेता बनी। क्रिकेट और वॉलीबाल के मैच भी तीसरे दिन खेले गए।

लखनऊ विश्वविद्यालय द्वितीय परिसर में मैच खेले गए। बैडमिंटन के महिला वर्ग के युगल में लविवि की अंशिका सिंह व अनुष्ठा श्रीवास्तव विजेता बनीं। उन्होंने शायनी व वैभवी वर्मा की जोड़ी को हराया। एकल का खिताब लविवि विधि संकाय की अनुजा श्वेत ने बीकॉम की प्रांजलि पांडेय को हराकर जीता। पुरुष वर्ग के एकल की ट्रॉफी लविव के दिव्यांशु यादव ने जीती। उन्होंने फाइनल मैच में क्रिश्चियन डिग्री कॉलेज के तेजस्वी सिंह का शिकस्त दी। पुरुष वर्ग के फाइनल मैच में लविवि के दिव्यांशु यादव व अंशिका सिंह की जोड़ी ने लविवि इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के हर्ष व अनुष्का को पराजित किया।



खेल महोत्सव में वॉलीबॉल मुकाबले में अंक के लिए जूझते दोनों टीमों के खिलाड़ी।

क्रिकेट प्रतियोगिता के पहले मैच में फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग की टीम ने बीबीए टूरिज्म की टीम को पराजित किया। दूसरे मैच में विधि संकाय की टीम ने बी.फार्मा की टीम को रौंदा। तीसरे मैच में मैनेजमेंट की टीम विजेता बनी, उसने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी की टीम को पराजित किया। वॉलीबॉल प्रतियोगिता में लविवि फार्मेसी की .वेदांत टीम ने लविवि की विनायक टीम को हराया। दूसरे मैच में टीम अतुल ने सिटी लॉ कॉलेज को पराजित किया। तीसरा मैच सिटी लॉ कॉलेज-ए बनाम महमूदाबाद हॉस्टल और चौथा रामस्वरूप कॉलेज व केकेवी कॉलेज के मध्य खेला गया।

विधिक सहायता केंद्र में हुई कार्यशाला

- लखनऊ, अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय मे स्थापित विधिक सहायता केंद्र द्वारा कानून और वंचित वर्गों के बीच की दूरी को कम करना करने को लेकर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य वक्ता प्रो . वरुण छाछर ने राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रत्येक वर्ष 9 नवंबर को यह दिवस मनाया जाता है। इसी दिन वर्ष 1995 में विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 प्रभावी हुआ था।

VOICE OF LUCKNOW

लखनऊ विश्वविद्यालय में 14वें अंतरराष्ट्रीय लाइब्रेरी समिट-2026 का समापन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि में आयोजित तीन दिवसीय 14वें अंतरराष्ट्रीय लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन प्रोफेशनल समिट-2026 का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। समापन दिवस की शुरूआत प्रातःकालीन चाय पर अनौपचारिक चर्चा से हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने सम्मेलन के विभिन्न सत्रों के अनुभव और विचार साझा किए। इसके पश्चात सम्मेलन में शामिल प्रतिभागियों ने लखनऊ की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने शहर के गौरवशाली इतिहास, स्थापत्य कला और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को करीब से जाना। साथ ही लखनऊ के पारंपरिक उत्पादों एवं प्रसिद्ध व्यंजनों का भी आनंद लिया। भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों में लखनऊ के ऐतिहासिक महत्व और सांस्कृतिक विरासत को जानने के प्रति विशेष उत्साह देखने को मिला।



DAINIK JAGRAN

अब 12 तक भरे फार्म

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक, परास्नातक एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की विषम सेमेस्टर दिसंबर 2026 परीक्षाओं के नियमित, बैकपेपर और इम्प्रूवमेंट परीक्षा फार्म भरने की अंतिम तिथि 12 नवंबर निर्धारित की है। छात्र-छात्राएं आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कालेजों को भरे परीक्षा फार्म, शुल्क रसीद व दस्तावेज 14 नवंबर तक जमा कराने होंगे। वि.

एनसीसी कैडेट्स ने बांटे उपहार

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की 64 यूपी बटालियन एनसीसी इकाई ने मलिन बस्ती में जरूरतमंद परिवारों, बच्चों को वस्त्र और उपहार भेंट किए। कार्यक्रम में बटालियन के पूर्व वरिष्ठ (पास आउट) कैडेट्स ने न केवल दान अभियान में योगदान दिया, बल्कि नए कैडेट्स के साथ मिलकर त्योहार की *खुशियां साझा कीं।* लेफ्टिनेंट रजनीश कुमार यादव ने उनके इस प्रयास की प्रशंसा की। वि.

'एआइ के दौर में पुस्तक पढ़ना जरूरी'

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय 14वें अंतरराष्ट्रीय लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन प्रोफेशनल समिट 2026 का समापन कुलपति प्रो. जेपी सैनी की अध्यक्षता में हुआ। गुलबर्गा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. वीटी कांबले, श्रीलंका की मोरातुवा विश्वविद्यालय की डा. नैनी गुरवर्धना और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. जोगिंदर सिंह विशिष्ट अतिथि रहे। कुलपति प्रो.जेपी सैनी ने एआइ के उचित उपयोग के साथ स्क्रीन टाइम कम करने, लेखन व पुस्तक पढ़ने पर जोर दिया। वि.

AMRIT VICHAR

ग्वार फसल की बीमारी नैनो तकनीक से दूर करेंगे लविवि के शोधकर्ता

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- विश्व में भारत ग्वार का 80 से 90 प्रतिशत उत्पादन करता है
- प्रदूषण के कारण उत्पादन में तेजी से आई है गिरावट

अमृत विचार: विश्व में सर्वाधिक भारत में उत्पादित होने वाली ग्वार की फसल में लगने वाली बीमारी का इलाज लखनऊ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने खोज निकाला है। ग्वार की फसल में सीसा विषाक्तता कम करने की दिशा में भी विवि के वनस्पति विज्ञान विभाग के शोधकर्ताओं ने महत्वपूर्ण कार्य किया है।

इसे पादप तनाव जीव विज्ञान और टिकाऊ कृषि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान माना जा रहा है। शोधकर्ताओं ने हरित विधि से तैयार जिंक ऑक्साइड नैनो कणों और जिबरेलिक अम्ल का संयुक्त प्रयोग ग्वार (साइमोप्सिस ट्रेटागोनेलोबा) की फसल पर किया है, जिससे सीसा (लेड) के जहरीलेपन के असर को खत्म करने में मदद मिली है। वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ.



डॉ. अजेय सिंह व दीपाली।

अजेय सिंह के निर्देशन में पादप शरीर क्रिया विज्ञान व पर्यावरणीय जीव विज्ञान प्रयोगशाला में किया गया।

इस अध्ययन में विभाग की अनुप्रयुक्त सूक्ष्मजीवविज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला के शोधकर्ताओं ने भी सहयोग किया। यह शोध भारी धातुओं से बढ़ते पर्यावरणीय प्रदूषण की समस्या पर केंद्रित रहा।

शोधकर्ताओं ने बताया कि सीसा तनाव के कारण ग्वार के पौधों की वृद्धि में उल्लेखनीय कमी आई है। जैवभार और प्रकाश संश्लेषी वर्णकों की मात्रा घटी, पोषक तत्त्वों का अवशोषण प्रभावित हुआ और ऑक्सीडेटिव क्षति में वृद्धि हुई। इसके विपरीत, परीक्षण में हरित विधि से तैयार जिंक ऑक्साइड नैनोकणों और जिबरेलिक अम्ल के संयुक्त प्रयोग से सबसे बेहतर परिणाम प्राप्त हुए। इस उपचार से जड़ों और तनों की वृद्धि, पौधों के ताजे व शुष्क जैवभार, प्रकाश संश्लेषी वर्णकों और एंटीऑक्सिडेंट रक्षा प्रणाली में सुधार देखा गया।

जिंक ऑक्साइड नैनो कणों का निर्माण क्रिसटेला पाराडिटिका पौधे की पत्तियों के अर्क की सहायता से हरित विधि द्वारा किया गया। शोधकर्ताओं की टीम में अमतुल्लाह अफ्फाक, पृथ्वी राज सिंह, राजनंदिनी वर्मा, डॉ. निहारिका, प्रो. रत्ना कटियार, प्रो. प्रदीप कुमार व डॉ. अजेय सिंह शामिल हैं।

यूपी, पंजाब, गुजरात, हरियाणा में होता ग्वार

- ग्वार सूखा सहनशील और फलीदार दलहनी फसल है। विश्व के कुल ग्वार उत्पादन का लगभग 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात और पंजाब में होता है। इसकी कच्ची फलियों का उपयोग सब्जी के रूप में, पके बीजों से 'ग्वार गम' बनाने के साथ खाद, वस्त्र, और पेट्रोलियम और तेल उद्योग के अलावा पशुओं के चारे और हरी खाद के रूप में किया जाता है।

शोध के परिणाम

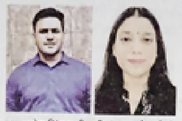
- पौधों के ऊतकों में सीसे के संचय में कमी
- उपचार से जड़ों में सीसे की संद्रता में 71 प्रतिशत और तनों में 99 प्रतिशत की कमी
- पौधों की सहनशीलता से जुड़े कई शारीरिक व जैव रासायनिक मानकों में भी सुधार

DAINIK JAGRAN

ग्वार के पौधों में घटी शीशे की विषाक्तता

जासं • लखनऊ : मिट्टी में बढ़ता भारी धातुओं का प्रदूषण फसलों की वृद्धि और उत्पादकता के लिए बड़ी चुनौती है। इससे निपटने की दिशा में लखनऊ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है। वनस्पति विज्ञान विभाग के शोध में सामने आया है कि हरित विधि से तैयार जिंक आक्साइड नैनो कण और जिबरेलिक अम्ल का संयुक्त प्रयोग ग्वार की फसल में शीशे (लेड) की विषाक्तता के प्रभाव को कम करने में प्रभावी हो सकता है। इस प्रयोग से पौधों के तनों में शीशे की सांद्रता करीब 99 प्रतिशत तक कम दर्ज की गई।

शोध वनस्पति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डा. अजेय सिंह के निर्देशन में पादप शरीर क्रिया विज्ञान एवं पर्यावरणीय जीव विज्ञान प्रयोगशाला में किया गया। अध्ययन में पाया गया कि शीशे की विषाक्तता से ग्वार के पौधों की वृद्धि, जैवभार, प्रकाश संश्लेषण



डा. अजेय सिंह व दीपाली सोंदा • सौ लविवि

लविवि के वनस्पति विज्ञान के शोध में सामने आए तथ्य, ग्वार के पौधों में सबसे प्रभावी रहा जिंक आक्साइड नैनो कण और जिबरेलिक अम्ल का प्रयोग

और पोषक तत्वों के अवशोषण पर प्रतिकूल असर पड़ता है। साथ ही, पौधों की कोशिकाओं में आक्सीडेटिव क्षति भी बढ़ जाती है। शोधकर्ताओं ने विभिन्न उपचारों का परीक्षण किया। इनमें जिंक आक्साइड नैनो कण और जिबरेलिक अम्ल का संयुक्त प्रयोग सबसे प्रभावी रहा। इससे पौधों की जड़ों व तनों की वृद्धि, ताजे व शुष्क जैवभार, प्रकाश संश्लेषी वर्णकों और एंटी आक्सिडेंट रक्षा प्रणाली में सुधार देखा गया।

जड़ों में 71 प्रतिशत कम शीशे का संचय : अध्ययन का महत्वपूर्ण निष्कर्ष पौधों के ऊतकों में शीशे के संचय में कमी आना रहा। केवल शीशा तनाव से प्रभावित पौधों की तुलना में संयुक्त उपचार के बाद जड़ों में शीशे की सांद्रता करीब 71 प्रतिशत और तनों में लगभग 99 प्रतिशत कम दर्ज की गई। शोध में दीपाली चंद्रा ने प्रमुख योगदान दिया।

अन्य शोधकर्ताओं में अमतुल्लाह अफ्फाक, पृथ्वी राज सिंह, राजनंदिनी वर्मा, डा. निहारिका, प्रो. रत्ना कटियार और प्रो. प्रदीप कुमार शामिल रहे। शोध के निष्कर्ष टिकाऊ कृषि और हरित नैनो प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोलते हैं। हालांकि, इस तकनीक को खेतों में अपनाने से पहले इसकी उचित मात्रा, प्रभावशीलता और पर्यावरणीय सुरक्षा का आकलन करने के लिए व्यापक परीक्षण जरूरी होंगे।

खिलाड़ियों ने दिखाया दम, बैडमिंटन में दिव्यांशु का तिहरा खिताब

जासं • लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के जानकीपुरम स्थित द्वितीय परिसर में आयोजित चार दिवसीय खेल महोत्सव 'आगाज-2026' के तीसरे दिन रविवार को बैडमिंटन, क्रिकेट और वालीबाल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने दम दिखाया। विभिन्न संकायों, विभागों और संबद्ध महाविद्यालयों की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले खेले गए।

बैडमिंटन में दिव्यांशु यादव ने पुरुष एकल, मिश्रित युगल और पुरुष युगल का खिताब अपने नाम किया।

बैडमिंटन की महिला युगल स्पर्धा में एमबीए एचआर की अंशिका सिंह और अनुष्ठा श्रीवास्तव की जोड़ी विजेता रही। बीबीए एलएलबी की शायनी और वैभवी वर्मा उपविजेता रहीं। महिला एकल में विधि संकाय की अनुजा श्वेत ने बी.काम की प्रांजलि पांडेय को हराकर खिताब जीता। पुरुष एकल में दिव्यांशु यादव ने लखनऊ क्रिश्चियन डिग्री कालेज के तेजस्वी सिंह को हराया। मिश्रित युगल में दिव्यांशु और अंशिका की जोड़ी विजेता रही। पुरुष युगल में दिव्यांशु यादव और तेजस्वी सिंह की जोड़ी ने जीत दर्ज की। उत्सव सिंह और अमित कुमार उपविजेता रहे। क्रिकेट प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में फैकल्टी आफ इंजीनियरिंग की एआइ वारियर्स ने बीबीए टूरिज्म की थंडर टाइटंस को हराया। दूसरे मुकाबले में विधि संकाय की अग्नि इलेवन ने बी फार्मा की लक्ष्य इलेवन को पराजित किया। वहीं, तीसरे मुकाबले में मैनेजमेंट की एमबीएचच इलेवन ने इलेक्ट्रानिक्स व संचार अभियांत्रिकी की डीटी इलेवन को हराया। वालीबाल में आइएमएस की टीम विनायक ने फार्मेसी को बेदांत टीम को हराया। वहीं, सिटी ला कालेज बी के खिलाफ टीम अतुल ने जीत दर्ज की।



खेल महोत्सव मे वालीबाल प्रतियोगिता मे खिलाड़ियो ने दिखाया दमखम • सौ लवि